जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 97 प्रभात कोटा, रविवार 19 जनवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोहन भागवत ने पाला खींचा, राहुल ने चुनौती स्वीकार की?

भागवत ने हाल ही में इन्दौर में कहा कि भारत को असल में आज़ादी तो उसी दिन मिली, जब राम मंदिर का निर्माण अयोध्या में हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत के दावों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को कवर करते हुए, भारतीय मीडिया ने हमेशा की तरह कांग्रेस और आर.एस.एस. के बीच संघर्ष के मूल को नज़र अंदाज़ किया है। भागवत राहुल गांधी पर हमला कर रहे हैं और मीडिया उसे इस तरह प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा हैं, जैसे उनका बयान एक प्रचार अभियान का हिस्सा है।

राहुल के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन, दिल्ली में पार्टी की यात्रा के एक नए चरण की पुष्टि करता है। भवन न केवल पार्टी के पुराने पते में बदलाव की घोषणा करता है, बल्कि यह उस वैचारिक परिवर्तन के पूरा होने का संकेत है, जो कुछ समय से पार्टी के भीतर चल रहा है।

यह हस्तक्षेप सही समय पर किया गया है, क्योंकि आर.एस.एस. 1925 में अपनी शताब्दी की तैयारियाँ कर रहा है। हाल ही में, इंदौर में अपने भाषण में संघ के चीफ मोहन भागवत ने स्पष्ट रुप से यह परिभाषित किया है कि आगामी दिनों में उनका संगठन अपनी वैचारिक अभिव्यक्ति को कैसे आकार देगा।

- **आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी। अतः शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख ने अपनी तरफ से कोई दुविधा नहीं छोड़ी, आज़ादी के बारे में आइडियोलॉज़िकल'' स्टैण्ड के बारे में।**
- **राहुल गांधी ने भी संघ की इस सोच के बारे में अब अपना-चिन्तन बड़े आक्रामक शब्दों में वर्णित किया है और कोई गलतफहमी की गुजांइश नहीं छोड़ी। इससे पूर्व, राहुल गांधी के हिंदुत्व के बारे में सोच में काफी दुविधा दिखती थी।**
- **उनके सलाहकारों ने उन्हें कई मंदिरों के दर्शन कराये, उनके गोत्र को भी ढूंढ निकाला व प्रचारित किया और राहुल को शैव (शिव भक्त) बताया। पर, राहुल ने अब यह दुविधा त्याग दी है तथा अपने चिन्तन व आस्था को भक्ति आंदोलन की तरफ मोड़ा तथा भगवान बुद्ध, यीशू, सूफी, गुरुनानक आदि की भांति धार्मिक सहिष्णुता व शांति को लक्ष्य बताया।**
- **अब मोहन भागवत व राहुल की स्पष्ट व अलग-अलग सोच के बीच वैचारिक द्वंद का ''स्टेज'' सैट हो गया है।**

राहुल के अनुसार, भागवत के दावों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को कवर करते हुए, भारतीय मीडिया हमेशा की तरह कांग्रेस और आर.एस.एस. के बीच संघर्ष के मूल को समझने में नाकाम रहा है। मीडिया राहुल गांधी पर हमला कर रहा है और यह दिखाने की कोशिश कर रहा है, मानो राहुल का बयान एक प्रचार अभियान का हिस्सा हो। वह भारत की स्वतंत्रता के बारे में आर.एस.एस. के विचारों पर कांग्रेस व राहुल गांधी की स्पष्ट प्रतिक्रिया समझ नहीं पा रहा है।

विश्लेषकों के अनुसार, यह बात ज्यादा पुरानी नहीं है, जब सलाहकारों ने राहुल को एक मंदिर से दूसरे मंदिर घुमाया था। उन्होंने राहुल के लिए एक गोत्र भी ढूंढ निकाला था और उन्हें एक शैव घोषित किया था। तब से कांग्रेस नेता ने अपने सोच में स्पष्ट रुप से सुधार किया है और वे भक्ति आंदोलन की समन्वयात्मक परंपराओं के अनुसार, अपने विचारों को तब्दील कर रहे हैं। वे इन विचारों को बौद्ध, ईसाई, सूफी, गुरु नानक और अन्य के द्वारा व्यक्त किए गए सहनशीलता और शांति के सार्वजनिक विषयों के रुप में व्यक्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस ने जोर दिया कि महात्मा गांधी ने समाज में क्रांति की, उसकी उपलिब्ध को इस समाज में हुए क्रांतिकारी कायापलट में देखा जा सकता है, जहाँ एक दलित को अब ग्रंथों में दिए गए उसके स्थान पर धकेला नहीं जा सकता, उसे दबाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की जगह संविधान को लाना

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अब नीमकाथाना जिला समाप्त करने के खिलाफ याचिका

जयपुर, 18 जनवरी। राज्य सरकार की ओर से पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा नव सृजित जिलों में से कुछ जिलों का दर्जा समाप्त करने का विवाद बढ़ता जा रहा है। गंगापुर सिटी के बाद अब नीम का थाना के जिले का दर्जा समाप्त करने के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। स्थानीय पूर्व विधायक रमेश चंद्र खंडेलवाल की ओर से पेश इस याचिका पर हाईकोर्ट आगामी सप्ताह में सुनवाई करेगा।

- **पूर्व विधायक रमेश चन्द्र खंडेलवाल की याचिका पर हाई कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।**

याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने रामलुभाया कमेटी की सिफारिशों और तय मापदंडों के आधार पर नीम का थाना सहित, अन्य जिलों का सृजन किया था। उसके बाद, यहां सरकारी कार्यालय और बस स्टैंड आदि के लिए जमीन आवंटित हो चुकी हैं। इसके साथ ही, जिला कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिले में नियुक्त किया गया। वहीं, कानून व्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया और इससे क्षेत्र में अपराध दर में भी कमी आई। इसी बीच सरकार बदलने के बाद, गत 29 दिसंबर को अधिसूचना जारी कर नीमका थाना से जिले का दर्जा छीन लिया गया। याचिका में कहा गया कि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा चरमरा रहा है, पर, ''लैफ्ट'' (वामपंथियों) ने पार्टी के दिमाग पर कब्जा कर लिया है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। वर्ष 2023 से ही भाजपा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के हितों के खिलाफ खड़े होने का आरोप लगा रही है। इस सप्ताह गांधी के इस दावे, कि कांग्रेस ''इंडियन स्टेट'' के खिलाफ लड़ रही है, के बाद तो आलोचना और तीव्र हो गई।

गत दो साल से भाजपा लगातार राहुल गांधी को निशाना बना रही है और उन्हें ऐसे नेता के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही है जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ खड़ा है। यह तर्क दिया जा रहा है कि राहुल भारतीय हितों के लिए हानिकारक हैं, क्योंकि उनके संबंध उन विदेशी तत्वों से है, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। भाजपा यह आरोप लगाती है कि वे विदेश में भारत के खिलाफ बोलते हैं तथा जॉर्ज सोरॉस जैसे अरबपति के चैरिटी संगठन से जुड़े हुए हैं और उग्र वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में हैं।

बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, यह न सोचें कि हम एक ''फेयर फाइट'' कर रहे हैं, भाजपा व संघ ने देश के सभी संस्थानों पर कब्जा कर लिया है, हम भाजपा से, संघ से और इंडिया स्टेट के खिलाफ लड़ रहे है।

- **भाजपा के अनुसार, 1960 के दशक से ही कांग्रेस ''लैफ्ट'' (वामपंथ) को प्रोत्साहित कर रही है तथा फिर लैफ्ट की ''आइडियोलॉजी'' का ह्रास होने के बाद, कई वामपंथी नेता ''कांग्रेस'' से जुड़ गये तथा गांधी परिवार के कान व आँख हो गये।**
- **भाजपा ने यह दावा किया कि जॉर्ज सोरोस व गांधी-नेहरू परिवार के संबंध भी काफी गहरे व पुराने हैं।**
- **फोरी नेहरू, सोरोस की भांति हंगरी की रहने वाली हैं तथा उनकी शादी पण्डित नेहरू के चचेरे भाई बी.के. नेहरू से हुई थी। अतः राहुल गांधी की रिश्तेदार लगती हैं। सोरोस कई बार फोरी नेहरू से मिलने गये तथा खतों के मार्फत नियमित सम्पर्क बनाये हुए थे।**
- **भाजपा का आरोप है कि डिजिटल अखबार, मीडिया पार्ट की जाँच के अनुसार, ओ.सी.सी.आर.पी. का गठन अमेरिका की सरकार व सोरोस ने किया है, अडानी के मामलों, पैगेसस तथा ब्राजील द्वारा भारतीय वैक्सीन कोवैक्सीन का आयात सस्पैंड करने की खबर सबसे पहले ओ.सी.सी.आर.पी. में आई और फिर तुरन्त राहुल गांधी ने ये मुद्दे उठाये।**

एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम गोपनीय रखते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1966 के अंत से ही देश के वामपंथियों को बढ़ावा दिया है और

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'जब तक 11, अशोक रोड, भाजपा के पास है, तब तक 24, अकबर रोड भी कांग्रेस के पास रहेगा'

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि भाजपा अभी भी पूर्व मुख्यालय, 11, अशोक रोड पर काबिज है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व मुख्यालय 24, अकबर रोड में पार्टी के जितने भी कार्यालय थे, सभी को एक साथ नए मुख्यालय इंदिरा भवन, 9ए, कोटला रोड में शिफ्ट नहीं किया जाएगा।

24, अकबर रोड के बारे में उन्होंने कहा कि ''पार्टी ने अभी पूरी तरह शिफ्ट नहीं किया है, धीरे-धीरे शिफ्टिंग हो रही है और इसमें समय लगेगा।''

उन्होंने आगे कहा कि इसे भाजपा के पूर्व मुख्यालय 11, अशोका रोड के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भाजपा पूर्व मुख्यालय को अपने पास रखे हुए है। जब तक भाजपा 11, अशोका रोड को अपने पास रखेगी, तब तक 24, अकबर रोड भी कांग्रेस के पास रहेगा।

- **माकन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी धीरे-धीरे अपने कार्यालय को नए मुख्यालय, इंदिरा भवन में शिफ्ट करेगी।**
- **कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से 1969 से पहले की पार्टी की सभी सम्पत्तियों, जिन पर मुकदमा चल रहा था, का मालिकाना हक पार्टी को मिलने का रास्ता साफ हो गया है।**
- **उन्होंने कहा कि इसमें, 7, जतंर-मंतर रोड भी शामिल है। यहाँ अभी जनता दल (युनाईटेड) का राष्ट्रीय मुख्यालय है।**
- **जयराम रमेश ने कहा, पार्टी इन सम्पत्तियों को अपने अधिकार में लेने के लिए गंभीर एवं सुनियोजित प्रयास करेगी।**

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अनुभव प्रमाण पत्र स्वीकार कर लैब टैक्नीशयन पद पर नियुक्ति दें

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह लैब टेक्नीशियन भर्ती-2023 में याचिकाकर्ता अभ्यर्थी के अनुभव प्रमाण पत्र को स्वीकार कर उसे नियुक्ति प्रदान करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार यादव व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने लैब टेक्नीशियन भर्ती में भाग लिया था। विभाग ने चयन का मापदंड शैक्षिणक योग्यता और बोनस अंक के आधार पर मेरिट में आना तय किया था।

- **हाई कोर्ट ने अनुभव के आधार पर बोनस अंक का लाभ दिया।**

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने उसका अनुभव प्रमाण पत्र इस आधार पर स्वीकार नहीं किया कि वह आरपीएमसी में हुए पंजीकरण से पहले का है।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उसने लैब टेक्नीशियन का संबंधित कोर्स करने के बाद राजस्थान पैरा मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण करना चाहा था, लेकिन उसका पंजीकरण नहीं हो पाया। इस दौरान, उसने संविदा पर लैब टेक्नीशियन के तौर पर काम किया और संबंधित अधिकारी ने उसे अनुभव प्रमाण पत्र भी दे दिया। दूसरी ओर, राजस्थान पैरा मेडिकल काउंसिल ने अनुभव प्रमाण पत्र मिलने के बाद उसका पंजीकरण भी कर लिया। ऐसे में उसके अनुभव प्रमाण पत्र को भर्ती के लिए स्वीकार कर उसे बोनस अंक का लाभ देते हुए नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को उसके अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति देने को कहा है।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

नए साल के पहले ही महीने में चौथे कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की है

कोटा, 18 जनवरी (निसं)। कोटा में कोचिंग छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार को जवाहर नगर थाना इलाके में एक और कोचिंग छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। छात्र 12वीं बोर्ड के साथ -साथ जेईई की तैयारी कर रहा था।

मूल रूप से बूंदी जिले के इंद्रगढ़ का निवासी छात्र कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। जवाहर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर जवाहर लाल ने बताया कि शनिवार को घटनाक्रम के बारे में जानकारी मिली थी। छात्र अपने मौसेरे भाई के साथ रहता था। परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया और छात्र के नेत्र दान किए। उसके मामा ने बताया कि छात्र ने अपने परिजनों का फोन नहीं उठाया था। इस पर पास में रहने वाले छात्र को उसके कमरे में जाकर देखने को कहा, तब इस घटना की सूचना उन्हें मिली।

उन्होंने बताया कि वह पढ़ाई में काफी होशियार था और बीते तीन सालों से कोटा में ही रहकर पढ़ रहा था। कंप्यूटर साइंस में आईआईटी से बीटेक करना उसका सपना था। वह धार्मिक प्रवृत्ति का था। कभी ऐसा नहीं लगा कि वह इस तरह का कदम उठा लेगा। परिवार में इकलौता बेटा ही था, इसके चलते माता-पिता सदमे में हैं। छात्र जवाहर नगर स्थित अपनी नानी के मकान में रहता था। नाना-नानी के निधन के बाद घर खाली ही था। ऐसे में, एक कमरे में छात्र और और दूसरे कमरे में उसका मौसेरा भाई रहता था।

शुक्रवार रात को दोनों खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह जब छात्र ने रूम नहीं खोला तो उसके मौसेरे भाई ने अपने परिजनों को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंची, तब इस मामले का खुलासा हुआ है। कोटा में इस साल स्टूडेंट्स के आत्महत्या का चौथा मामला है। वहीं, जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की परीक्षा भी चार दिन बाद 22 जनवरी से शुरू होने वाली है।

- **मृतक छात्र बूंदी के इंद्रगढ़ का रहने वाला था तथा कोटा में नाना-नानी के घर रह कर पढ़ाई कर रहा था।**
- **घटना की सूचना मिलते ही परिजन पहुँच गए और पोस्टमार्टम किए बिना ही छात्र का शव ले गए, उन्होंने छात्र के नेत्र दान करने की भी घोषणा की।**
- **मृतक छात्र बारहवीं कक्षा में पढ़ता था तथा जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था, उसका मौसेरा भाई भी साथ ही रहता था।**
- **ठीक एक दिन पहले, शुक्रवार को ओडिशा के मयूरभंज जिला निवासी एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। वह जे.ई.ई. मेन्स की तैयारी कर रहा था। यह परीक्षा 22 जनवरी से शुरु हो रही है।**

दिव्यांग संविदाकर्मी से बिना वेतन काम कराने पर नोटिस जारी

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिव्यांग संविदाकर्मी से करीब डेढ साल तक काम करवाकर, उसे वेतन नहीं देने और बाद में सेवा से हटाने पर पर प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, सीएमएचओ जयपुर और अमर एसोसिएट सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश प्रवेश कुमार बुनकर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, सीएमएचओ व प्लेसमैंट एजेन्सी से जवाब मांगा।**

याचिका में अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने अदालत को बताया कि चिकित्सा विभाग ने प्लेसमेंट एजेंसी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'हमारी पार्टी हरियाणा और दिल्ली में आप के साथ गठबंधन करना चाहती थी, पर, केजरीवाल ने इन्कार कर दिया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा, केजरीवाल ने जेल से छूटते ही हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आज जोर देते हुये कहा कि कांग्रेस तो दिल्ली और हरियाणा- दोनों ही राज्यों में आप के साथ गठबंधन करना चाहती थी, लेकिन केजरीवाल ने ''स्वयं ही इनकार कर दिया था।''

दिल्ली के वरिष्ठ कांग्रेस नेता माकन ने कहा, ''हरियाणा और दिल्ली- दोनों (ही राज्यों) में हम आप के साथ गठबंधन करना चाहते थे। लेकिन केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद, हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की एकतरफा घोषणा कर दी थी। उस समय, गठबंधन से संबंधित हमारी बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी। (लेकिन) उन्होंने स्वयं इनकार कर दिया था।''

माकन ने कहा, ''लोकसभा चुनावों के बाद, उन्होंने ही कहा था कि वे दिल्ली के चुनाव पृथक रह कर लड़ेंगे।''

उल्लेखनीय है कि आप और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक के हिस्से हैं, ने दिल्ली में 2024 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े थे। उन आम चुनावों में, दोनों में से कोई भी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

दिल्ली के आसन्न विधानसभा चुनावों से पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय माकन ने शनिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री तथा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रगति से भाजपा को ''मदद मिलती है।''

माकन ने कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिये, कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनना होगा।

उन्होंने कहा, ''कमजोर हो रही कांग्रेस, भाजपा से टक्कर नहीं ले सकती। हर व्यक्ति को यह समझ लेना चाहिये।''

दिल्ली की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुये, ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष ने कहा, ''दिल्ली में, जब तक शीला दीक्षित मुख्यमंत्री रहीं, हम लोकसभा की सभी सात सीटें जीतते रहे। और हमने भाजपा को रोक दिया था।''

पार्टी के नव-उद्घाटित मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा, ''दिल्ली में आप के सत्ता में आने के बाद, इससे ठीक उल्टा हो रहा है, भाजपा सभी सात सीटें जीत रही है तो भाजपा के साथ कौन हुआ?''

2020 के विधानसभा चुनावों में, आप ने 62 तथा भाजपा ने आठ सीटें जीती थीं, जबकि 2015 के चुनावों में, आप ने 67 तथा भाजपा ने केवल 3 सीटें जीती थीं। कांग्रेस इन दोनों ही चुनावों में कोई भी सीट नहीं जीत पाई थी।

70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा के लिये मतदान 5 फरवरी को होगा तथा मतगणना 8 फरवरी को होगी।

- **कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य हैं और दिल्ली के लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने साथ लड़ा था, पर, दोनों को ही एक भी सीट नहीं मिली थी।**
- **अजय माकन ने कहा कि केजरीवाल की ताकत बढ़ने से भाजपा को ही लाभ होता है, अगर, भाजपा को टक्कर देनी है तो कांग्रेस को मजबूत होना पड़ेगा।**
- **माकन ने कहा, जब तक शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, कांग्रेस ने लोकसभा की सभी सीटें जातीं। कांग्रेस ने भाजपा को रोका था।**
- **माकन ने कहा, जब से आप आई है, सभी सात लोकसभा सीटें भाजपा जीत गई। अब बताइए कौन है भाजपा का मददगार।**

राजनाथ सिंह ने महाकुंभ में स्नान किया

महाकुंभनगर,18 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम महाकुंभ में शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आस्था की डुबकी लगाई।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज तीर्थराज प्रयाग के संगम में मैंने स्नान किया। मैं स्वयं को बहुत ही कृतार्थ महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा यह भारतीयता और आध्यात्मिकता एवं सांस्कृति का पर्व है। इसे किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। भारत ही नहीं, दुनिया के कोने कोने से लोग यहां आकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। किसी को यदि भारत और भारतीयता को समझना है तो वह आकर इस महाकुंभ को देखे।

- **उन्होंने कहा संगम में स्नान को मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ।**

(शेष पृष्ठ 3 पर)